आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, बुधवार 31 दिसंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 56

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

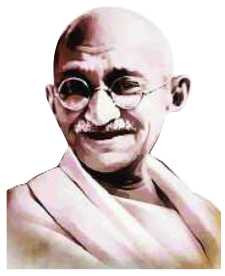

राष्ट्रपिता को नमन...

सबसे स्वच्छ शहर... पानी में जहर...

दूषित पानी से 8 की मौत : 111 मरीज भर्ती, शौचालय के नीचे मेन लाइन में लीकेज मिला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से 3 और लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। इसके साथ ही अब तक कुल 8 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें एक पुरुष भी शामिल है। हालांकि, शासन ने अब तक तीन मौतों की ही आधिकारिक पुष्टि की है। इनमें नंदराम (70), उर्मिला (60) और ताराबाई कोरी (70) शामिल हैं। बताया गया है कि इन तीनों की मौत डायरिया से हुई है।

अभी अलग-अलग अस्पतालों में 111 लोग भर्ती हैं। क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जिन 3 अन्य लोगों की मौत हुई है, उनमें और गोमती रावत (50), मंजुला पति दिगंबर (74), संतोष बिगोलिया शामिल हैं। दोनों भाऊ गली, भागीरथपुरा की रहने वाली थीं। गोमती रावत की मौत 26 दिसंबर को हुई थी। इससे पहले मंगलवार को नंदलाल पाल (75), उर्मिला यादव (69), उमा कोरी (31), मंजुला पति दिगंबर (74) और सीमा प्रजापत (50) की मौत की जानकारी सामने आई थी।

अस्पतालों में भर्ती मरीजों की स्थिति : वर्मा हॉस्पिटल- 30, ईएसआईसी हॉस्पिटल- 11, एमवायएच- 5, त्रिवेणी हॉस्पिटल- 7, अरविंदो हॉस्पिटल- 2

इनके अलावा अन्य अस्पतालों में भी मरीज भर्ती हैं। जिनकी हालत में सुधार हो रहा है, उन्हें डिस्चार्ज किया जा रहा है। भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से बीमार लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। सोमवार रात यह मामला तब सामने आया, जब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय अचानक दिल्ली से इंदौर पहुंचे और वर्मा हॉस्पिटल गए। इसके बाद पता चला कि 150 से अधिक लोग बीमार हो चुके हैं।

मंगलवार को दिनभर में पांच मौतों की जानकारी मिली, जबकि देर रात 3 अन्य मौतों की सूचना सामने आई। इस तरह कुल 8 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

अब तक इन अधिकारियों पर हुई कार्रवाई

जोनल अधिकारी शालिग्राम शितोले निलंबित। प्रभारी सहायक अभियंता (पीएचई) योगेश जोशी निलंबित। प्रभारी डिप्टी इंजीनियर (पीएचई) शुभम श्रीवास्तव की सेवा समाप्त।

शौचालय के नीचे मुख्य जल लाइन में लीकेज निकला

भागीरथपुरा में चौकी से लगे शौचालय के नीचे मुख्य जल लाइन में लीकेज पाया गया है। आशंका है कि इसी लीकेज के कारण दूषित पानी पेयजल लाइन में मिला। वहीं, राउ विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 75 और 76 के भावना नगर में हालात गंभीर हैं। घरों में चेंबर लाइन का गंदा पानी भर रहा है। नर्मदा जल आपूर्ति लाइन से भी बदबूदार और दूषित पानी आ रहा है। रहवासी इसी पानी का उपयोग करने को मजबूर हैं। ड्रेनेज लाइन डालने के लिए गलियों में बड़े-बड़े गड्ढे खोदे गए हैं, जिनमें गंदा पानी भरा हुआ है। दुर्गंध और मच्छरों के कारण बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।

मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए की सहायता राशि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मामले का संज्ञान लेते हुए मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। इधर, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि 70 से ज्यादा पानी के सैंपल लिए गए हैं। सभी मरीजों का इलाज सरकारी खर्च पर होगा। जिन लोगों ने इलाज के लिए पैसे जमा किए हैं, उन्हें रिफंड मिलेगा।

18 मरीज स्वस्थ होकर घर लौटे

भागीरथपुरा की 15 गलियों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा घर-घर जांच और उपचार किया गया। गंभीर मरीजों को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा जा रहा है। आशा कार्यकर्ताओं द्वारा क्लोरीन, जिंक टैबलेट और ओआरएस बांटे जा रहे हैं। क्षेत्र के सभी अस्पतालों को निर्देश दिए गए हैं कि वहां से आने वाले मरीजों से इलाज का कोई शुल्क न लिया जाए।

अब तक की स्थिति से स्पष्ट है कि पिछले एक सप्ताह से लोग बीमार हो रहे थे। संभवत: पहली मौत (26 दिसंबर को) गोमती रावत की हुई थी। इस तरह पांच दिन में 8 लोगों की मौत हो चुकी है। लक्षण दिखने पर फौरन स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने, उबला पानी पीने और बाहर का भोजन व कटे फल न खाने की सलाह दी जा रही है। क्षेत्र में 4 एम्बुलेंस तैनात हैं। इसके अलावा, 14 डॉक्टर, 24 एमपीडब्ल्यू और पैरामेडिकल स्टाफ और एमवाय हॉस्पिटल के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉक्टर भी सहयोग कर रहे हैं। रात में भी डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की बात कही है। क्षेत्र में 50 टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जा रही है।

महापौर, निगमायुक्त मौतों के जिम्मेदार, कांग्रेस कराएगी एफआईआर

भागीरथपुरा में दूषित पानी से आठ लोगों की जान लेने वाले लापरवाही करने वाले दोषी निगम अधिकारी और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज कराने के लिए शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता आज दोपहर बाणगंगा थाने पर जाएंगे। सूत्रों के अनुसार अब कांग्रेस इस मामले में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को घेरने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस के अनुसार भागीरथपुरा क्षेत्र कमांक 1 में आता है और कांग्रेस अब इसको मुद्दा बनाएगी कि मंत्री भले भी क्षेत्र 1 के विधायक है लेकिन उनका प्रेम अभी भी क्षेत्र क्रमांक 2 से ही है। क्षेत्र क्रमांक 1 की जनता की समस्याएं सुनने के लिए उनके पास समय नहीं है। अगर कांग्रेस के सूत्रों पर भरोसा किया जाए तो नववर्ष में इसको लेकर कांग्रेस आक्रमक रवैया अपनाएगी

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त दिलीप यादव और सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

अंदर के पन्नों पर...

रात का तापमान सामान्य से चार डिग्री नीचे

पेज-2

विमेंस इंडिया ने 5-0 से टी-20 सीरीज जीती

पेज-5

न्यूज ब्रीफ

- अयोध्या : प्राण प्रतिष्ठा द्वादशी पर राम मंदिर में अनुष्ठान हुआ शुरू
- असम में टोना-टोटके के शक में पति-पत्नी की हत्या
- डीएमके ने पिछले 5 साल में तमिलनाडु की शिक्षा-व्यवस्था को मजबूत किया : सीएम स्टालिन
- सऊदी अरब के हवाई हमले के बाद यूएई का बड़ा फैसला, यमन से पूरी तरह हटने का किया ऐलान
- ट्रंप के बाद अब बीजिंग का दावा, चीन बोला- मई में भारत-पाक तनाव में हमने की थी 'मध्यस्थता'
- ढाका में आज खालिदा जिया का अंतिम संस्कार, विदेश मंत्री एस जयशंकर भी होंगे शामिल

नववर्ष : इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर में उमड़ेगा जनसैलाब

खजराना में तीन लाख से ज्यादा भक्तों के जुटने की उम्मीद

इंदौर के प्रसिद्ध खजराना मंदिर में नए साल पर तीन लाख से अधिक भक्तों के जुटने की उम्मीद है। सुबह से लेकर रात तक मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा रहेगा। भीड़ के अनुमान को देखते हुए प्रशासन ने यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है।

महाकाल दरबार में सब एक समान, वीआईपी प्रोटोकॉल बंद

31 दिसंबर और 1 जनवरी को करीब 12 लाख श्रद्धालु बाबा महाकाल के दरबार में आएंगे। ऐसे में इतनी अधिक संख्या को देखते हुए मंदिर समिति ने नियमों में बदलाव किया है। महाकाल मंदिर में वीआईपी प्रोटोकॉल बंद कर दिया गया है।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग पहुंचेंगे एक लाख से अधिक श्रद्धालु

अंग्रेजी नववर्ष के अवसर पर ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। प्रशासन के अनुसार 1 जनवरी को करीब एक लाख भक्त दर्शन के लिए पहुंच सकते हैं। प्रोटोकॉल दर्शन बंद रहेंगे और रैंप व्यवस्था से सुगम दर्शन कराए जाएंगे।

कार्रवाई देवी अहिल्या विश्वविद्यालय का सख्त अल्टीमेटम जारी

कमियां नहीं सुधरीं तो कॉलेजों पर गिरेगी गाज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) की स्टैंडिंग कमेटी ने मंगलवार को कॉलेजों की संबद्धता को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट कर दिया है कि जिन कॉलेजों को सशर्त संबद्धता दी गई थी, लेकिन उन्होंने तय समय सीमा में कमियां दूर नहीं कीं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विश्वविद्यालय के अनुसार, निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद ऐसे कॉलेजों में अचानक निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण में यदि आवश्यक शर्तें और मानक पूरे नहीं पाए गए तो संबंधित कॉलेजों में नए प्रवेश पर तत्काल रोक लगा दी जाएगी। इसके साथ ही ऐसे संस्थानों की सूची उच्च शिक्षा विभाग को नहीं भेजी जाएगी, जिससे वे काउंसिलिंग प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकेंगे।

डीएवीवी ने यह भी चेतावनी दी है कि निरीक्षण के बाद भी सुधार नहीं होने पर संबंधित कॉलेजों की संबद्धता निरस्त कर दी जाएगी। विश्वविद्यालय का मानना है कि बार-बार अवसर देने के बावजूद लापरवाही को स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ता है। बैठक में विधि (लॉ) कॉलेजों को लेकर भी अहम निर्णय लिया गया। नए नियमों के तहत अब कोई भी लॉ कॉलेज तब तक संबद्धता के लिए आवेदन नहीं कर सकेगा, जब तक उसके पास बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की मान्यता नहीं होगी। पहले विवि स्तर पर प्रक्रिया पूरी हो जाती थी, पर अब बीसीआई की मंजूरी अनिवार्य कर दी गई है।

इसके अलावा निरीक्षण प्रक्रिया को और सख्त किया गया है। अब कॉलेजों के निरीक्षण के दौरान डीन स्वयं मौजूद रहेंगे। डीन की अगुवाई में निरीक्षण दल शैक्षणिक, भौतिक व प्रशासनिक व्यवस्थाओं की गहन जांच करेगा। नियम 27 के तहत विवि को यह अधिकार भी दिया गया है कि गंभीर कमियों की स्थिति में सीधे संबद्धता समाप्त की जा सके। कुलसचिव प्रज्वल खरे ने कहा कि सशर्त संबद्धता लेने वाले कॉलेजों को तय समय में सभी कमियां दूर करनी होंगी, अन्यथा उनके यहां प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी।

खजराना मंदिर की दुकानों के आगे रैलिंग लगाने का विरोध

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नए साल पर खजराना मदिर में बड़ी संख्या में भक्त आते हैं। भीड़ की व्यवस्था के लिए दर्शनार्थियों के लिए रैलिंग लगाई जा रही है, लेकिन यह रैलिंग खजराना मंदिर परिसर की दुकानों के सामने लगा दी गई, जिस पर सभी 60 दुकानदारों ने विरोध दर्ज कराते हुए दुकानें बंद कर दीं। इस मामले में दुकानदार प्रशासक से बात कर अपनी परेशानी उनके सामने रखना चाहते हैं और उनसे इसका निराकरण चाहते हैं। खजराना गणेश लड्डू व्यापारी एसोसिशन के अध्यक्ष चंद्रशेखर रावल ने बताया कि रैलिंग के कारण अव्यवस्था हो रही है। हर साल नया साल आता है और इसी बार बीच में रैलिंग लगा दी है, जिससे सभी दुकानदारों का धंधा प्रभावित हो रहा है। यदि इस मामले का निराकरण नहीं होता है तो 31 दिसंबर और नए साल पर खजराना गणेश मंदिर की सभी दुकानें बंद रहेंगी।

न्यूज ब्रीफ

जनसुनवाई में नागरिकों का किया निराकरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर कार्यालय में प्रति मंलगवार की तरह इस मंगलवार भी आज जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण किया गया। जिन आवेदनों का निराकरण नहीं हुआ, उनके निराकरण के लिए समय-सीमा तय की गई। कलेक्टर कार्यालय में आज मुख्य रूप से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रोशन राय, रिंकेश वैश्य सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुई जांच

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में प्रशासन की सक्रिय तत्परता एवं सतर्कता ने बाल विवाह जैसी कुरीतियों पर लगाम कसने का कड़ा संदेश दिया है। गत 28 दिसंबर को बाल संरक्षण अधिकारी (जिला देवास) के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई। प्राप्त सूचना में बताया कि बुढी बरलई इंदौर में हरिकृष्ण मानव गो सेवा संस्थान देवास के तत्वाधान में 251 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में 3 नाबालिग (2 बालक और 1 बालिका) भी सम्मिलित हैं। परियोजना अधिकारी सांवेर जिला इंदौर विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि जिला कार्यक्रम अधिकारी से निर्देश मिलते ही पर्यवेक्षक श्रीमती सीमा जैन और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सीमा तिवारी के साथ तत्काल घटना स्थल पर पहुँचे। जिला प्रशासन और महिला बाल विकास विभाग की जांच एवं तत्परता से सामूहिक विवाह सम्मेलन में कोई भी बाल विवाह नहीं पाया गया।

मध्यप्रदेश से अमेरिका जाने के लिए चुकानी होगी ज्यादा राशि

हर महीने लगभग 2 हजार लोग जाते हैं बी1 और बी2 वीजा पर; वीजा शुल्क हुआ महंगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश से अमेरिका जाने वाले लोगों को अब ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। अमेरिकी सरकार ने गैर-अप्रवासी वीजा शुल्क में भारी बढ़ोतरी कर दी है, जो 1 जनवरी से लागू हो जाएगी। बिजनेस और टूरिस्ट वीजा कैटेगरी (B-v/B-w) का शुल्क 185 डॉलर से बढ़कर सीधा 472 डॉलर कर दिया है। इसके अलावा अमेरिका ने अपनी सभी कैटेगरी में वीजा फीस महंगी कर दी है। इसका सबसे बड़ा असर इंदौर और भोपाल के यात्रियों पर पड़ेगा। इंदौर से हर महीने लगभग 1 हजार से ज्यादा आवेदन बी 1 और बी 2 वीजा के लिए होते हैं।

ट्रेवल एजेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष अमोल कटारिया ने बताया कि अमेरिका के वीजा के लिए अलग-अलग केटेगरी है। एमपी के इंदौर, भोपाल, जबलपुर, उज्जैन और ग्वालियर से हर महीने लगभग 2 हजार लोग अमेरिका जाने के लिए B-1 और B-2 वीजा मांगते हैं। इनमें इंदौर के यात्रियों की संख्या एक हजार तक होती है। आवेदन शुल्क बढ़ने के कारण पारिवारिक और बिजनेस डेलीगेशन का यात्रा शुल्क बढ़ जाएगा।

22 हजार रुपए तक महंगी होगी वीजा फीस-अभी तक स्टूडेंट वीजा पर अमेरिका जाने वाले छात्र को 18 से 19 हजार रुपए शुल्क देना पड़ता था, लेकिन अब स्टूडेंट को 39 से 40 हजार रुपए चुकाने होंगे। एविएशन इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि अमेरिका ने वीजा पर 250 डॉलर तक की 'वीजा इंटीग्रिटी फीस' को जोड़ा गया है। इस कारण अब हर आवेदन के साथ खर्च का बोझ पहले से कई गुना बढ़ गया है। इंदौर से बड़ी संख्या में जाने वाले यात्रियों के लिए यह बदलाव सीधा असर छोड़ने वाला है।

वीजा शुल्क में वृद्धि का सबसे अधिक असर स्टूडेंट और टूरिस्ट पर पड़ेगा। हर माह इंदौर से 400 से 500 और भोपाल से 200 से 300 स्टूडेंट और टूरिस्ट यूएस वीजा के लिए आवेदन करते हैं। ट्रैवल एजेंट्स के मुताबिक एमपी के 5 हजार से ज्यादा लोगों का यूएसए का वीजा 1 साल से ज्यादा समय से पेंडिंग है। बीते कुछ सालों से यूएस आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या इतनी हो गई है कि सबसे ज्यादा बी 1 और बी 2 वीजा के लिए परेशानी बढ़ गई है। यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

वीजा महंगा होने का अमेरिका में रह रहे लोगों पर फिलहाल कोई असर नहीं

वीजा शुल्क अधिक होने का अमेरिका में रह रहे भारतीय लोगों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अमेरिका के टेक्सॉस शहर में रह रहे इंदौर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर अंकुश वर्मा ने बताया कि वह कोरोना के पहले अमेरिका गए थे। अंकुश ने बताया कि अमेरिका में रहने या वीजा को लेकर फिलहाल तो कोई समस्या नहीं है। मुझे कुछ दिनों पहले ही यह जानकारी मिली है कि अमेरिका ने अब वीजा शुल्क महंगा कर दिया है। हालांकि अभी तो कोई समस्या नहीं है, लेकिन जिनका वीजा खत्म हो जाएगा और उन्हें रिन्यू कराना पड़ेगा उन्हें अब ज्यादा पैसे चुकाने होंगे।

35 करोड़ की बिल्डिंग जलकर हुई खाक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के लसूडिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एमआर 11 के पास मंगलवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। यहां स्थित केमको चॉकलेट फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते इसने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस घटना के दौरान हुए विस्फोट की वजह से फैक्ट्री की पूरी बिल्डिंग ढह गई है।

लसूड़िया टीआई तारेश सोनी के अनुसार, फैक्ट्री के पिछले हिस्से में दोपहर करीब 1 बजे आग लगने की जानकारी मिली थी। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन फैक्ट्री में मौजूद तीन कर्मचारी घायल हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। धमाका इतना जोरदार था कि कंक्रीट का ढांचा पूरी तरह गिर गया। फैक्ट्री मालिक के मुताबिक इस आगजनी और बिल्डिंग गिरने से लगभग 35 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। हालांकि, जांच में यह बात सामने आई है कि जिस बिल्डिंग में फैक्ट्री संचालित थी, उसे पहले ही दिवालिया घोषित किया जा चुका था और मामला कोर्ट में विचाराधीन था। पिछले कुछ दिनों से फैक्ट्री बंद थी और यहां उत्पादन का काम नहीं किया जा रहा था।

मौसम ने फिर बदली करवट, रात का तापमान सामान्य से चार डिग्री नीचे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में बीते तीन चार दिन से रात का तापमान बढ़ा हुआ था, लेकिन सोमवार को मौसम ने फिर करवट ली और रात का तापमान सामान्य से चार डिग्री नीचे दर्ज हुआ, जबकि दिन का तापमान सामान्य से 2 डिग्री ऊपर था। शहरवासियों को दिन में गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस नहीं हो रही है। तेज धूप और बर्फीली हवाएं नहीं चलने से दिन ज्यादा ठंडे नहीं हो रहे है। सोमवार को दिन का तापमान 28.1 रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा था, जबकि रात का तापमान 6.6डिग्री दर्ज हुआ , जो सामान्य से चार डिग्री कम था। हवाओं की रफ्तार 9 किमी प्रति घंटा रही।

मौसम विभाग के अनुसार अगले दो-तीन दिनों तक पारा और लुढ़क सकता है। देश के मध्य हिस्से में एक चक्रवात बना हुआ है। आने वाले दिनों में हवाओं का रुख पश्चिमी होने से तापमान और गिर सकता है। नए साल का आगाज मौसम कड़ाके की ठंड से भी कर सकता है। फिलहाल हिमालय क्षेत्र में बर्फबारी नहीं हो रही है। इस कारण देश के अन्य हिस्सों में बर्फीली हवाओं से राहत है।

9 डिग्री था 26 दिसंबर को तापमान

इंदौर में रात के तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 36 साल बाद इंदौर में सबसे ठंडी रात इंदौर की रही। पारा 4.1 डिग्री सेल्सियस रहा, वही 26 दिसंबर को पारा 9 डिग्री तक भी गया। आने वाले दिनों में रात के तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है।

अवैध कॉलोनियों पर नकेल कसने बनाया जा रहा नया अधिनियम

अवैध कॉलोनी बसाई तो 10 साल की सजा, एक करोड़ का जुर्माना

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल/इंदौर ● सरकार की कोशिशों के बावजूद मप्र में अवैध कॉलोनियों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में अवैध कॉलोनियों की संख्या 8000 से अधिक हो चुकी है। ऐसे में अवैध कॉलोनी बसाने की प्रक्रिया पर नकेल कसने के लिए खिलाफ नया कानून तैयार किया जा रहा है, जो 2026 से लागू हो सकता है। नए अधिनियम में बिल्डरों को एक ही लाइसेंस से शहर और गांव में कॉलोनी बनाने की अनुमति मिलेगी। अवैध कॉलोनियों के खिलाफ 45 दिन के भीतर कार्रवाई की जाएगी और जमीन जब्त भी होगी। अवैध कॉलोनी बनाने वालों को 10 साल की सजा और। करोड़ रूपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

प्रदेश में अवैध कॉलोनियों पर कड़ी कार्रवाई के लिए नए नियमों का मसौदा तैयार किया जा रहा है। नगरीय विकास विभाग जल्द ही मध्यप्रदेश कॉलोनी एकीकृत अधिनियम-2026 को लागू करने की योजना बना रही है। इस अधिनियम के लागू होते ही शहरों और गांवों में कॉलोनी निर्माण के नियम समान हो जाएंगे। नए कानून का उद्देश्य ईमानदार बिल्डरों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाना है। वहीं, अवैध कॉलोनी निर्माण करने वालों पर कड़ा रुख अपनाना है। जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश में अवैध कॉलोनियों की संख्या 8000 से अधिक हो चुकी है। सरकार ने पहले 31 दिसंबर 2016 तक बनी 6,077 कॉलोनियों को वैध (नियमित) करने की प्रक्रिया शुरू की थी। बाद में कट ऑफ डेट बढ़ाकर 31 दिसंबर 2022 कर दिया गया। इससे लगभग 2500 अतिरिक्त कॉलोनियां इस सूची में जुड़ गईं। वर्ष 2025 तक 16 नगर-निगमों के क्षेत्रों में ही लगभग 4,000 स्थानों पर अवैध प्लॉटिंग की पहचान की गई है। यदि सभी नगरीय निकायों (कुल 413) को शामिल किया जाए, तो यह आंकड़ा 8,000 पार होगा।

नगर पालिका अधिनियम और पंचायत एवं ग्राम स्वराज के मौजूदा अधिनियम की कुछ धाराओं को शामिल करके नया एक्ट बनाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि नया एक्ट लागू होने के बाद पुराने अधिनियम से वो धाराएं हट जाएंगी जो कॉलोनी डेवलपमेंट और कॉलोनाइजर से जुड़ी हैं। इन्हें नए एक्ट में रखने के साथ एग्जीक्यूट किया जाएगा। नए अधिनियम में अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई का बड़ा अधिकार कलेक्टरों के हाथ में जाएगा। नगर निगम क्षेत्र में कमिश्नर सक्षम होंगे, जबकि बाकी क्षेत्र में कलेक्टरों को कार्रवाई का अधिकार मिलेगा। वे एसडीएम को भी सक्षम अधिकार दे सकते हैं। ताकि निर्णय तुरंत हो सके। नया कानून लोकसेवा गारंटी की तर्ज पर अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा। अवैध कॉलोनियों को 45 दिन के भीतर रोकने, हटाने और जब्त करने की प्रक्रिया शुरु हो जाएगी। यह प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी होगी, जिससे अवैध कॉलोनियों की समस्या पर नियंत्रण पाया जा सके।

एक ही लाइसेंस से होंगे शहरों और गांवों में काम

नए कानून के तहत बिल्डर्स को एक ही लाइसेंस से गांव और शहर दोनों क्षेत्रों में कॉलोनी बनाने की अनुमति मिल जाएगी। इसके लिए बिल्डर्स को पांच साल के भीतर कॉलोनी का पूरा विकास करना होगा। जब कॉलोनी का विकास पूरा होगा, तो उसे कंप्लीशन सर्टिफिकेट मिलेगा। यदि यह सर्टिफिकेट 45 दिन के भीतर नहीं मिलता, तो स्वचालित रूप से मंजूरी (डीम्ड परमिशन) मान ली जाएगी। अभी तक अवैध कॉलोनियों को बनाने पर 7 साल की सजा या 10 लाख रुपए का जुर्माना था। वहीं, अब इसे बढ़ाकर 10 साल की सजा या । करोड़ रुपए का जुर्माना कर दिया जाएगा। इससे पहले बिल्डर जुर्माने की राशि चुका कर बच जाते थे। वहीं, अब उन्हें एक करोड़ रूपए का जुर्माना चुकाना होगा।

राष्ट्रीय बाल कोष के तहत 'केयर एंड एजुकेशन' पहल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय बाल कोष के तहत 'केयर एंड एजुकेशन' नाम से नई पहल शुरू की गई है। इस राष्ट्रीय कोष के अंतर्गत आतंकवादी हिंसा, वामपंथी उग्रवाद या सीमा पार गोलीबारी से अनाथ या निराश्रित हुए बच्चों को पढ़ाई और देखभाल के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी। योजना अंतर्गत पात्र बच्चों की पहचान और सत्यापन जिला मजिस्ट्रेट / कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जायेगा। सत्यापन उपरांत पात्र प्रस्ताव गृह विभाग को प्रेषित किये जायेंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा ने बताया कि योजना के तहत हर साल 150 पात्र बच्चों को योजना का लाभ प्रदान किया जायेगा।

विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश सरकार द्वारा विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु स्वरोजगार योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत इन्दौर जिले में निवासरत ऐसे पात्र हितग्राही, जो स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करना चाहते हैं, उनसे ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक https://samast.mponline.gov.in पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग श्री अनिल सोनी ने बताया कि इस योजना के तहत मध्यप्रदेश के मूल निवासी 18 से 55 वर्ष की आयु के ऐसे व्यक्ति पात्र होंगे, जिनके पास सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु जाति का प्रमाण-पत्र उपलब्ध है। योजना में आयकर दाता होना अपात्रता की श्रेणी में आता है, जबकि शैक्षणिक योग्यता का कोई बंधन नहीं रखा गया है।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत स्वरोजगार स्थापित करने के लिए अधिकतम एक लाख रुपये तक की परियोजना लागत पर बैंक द्वारा ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इस ऋण पर हितग्राही को 6 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान प्रदान किया जाएगा। साथ ही कुल परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अथवा अधिकतम 20 हजार रुपये की एकमुश्त अनुदान राशि भी नियमानुसार दी जाएगी। इससे लाभार्थियों पर वित्तीय बोझ कम होगा और वे आसानी से अपना व्यवसाय प्रारंभ कर सकेंगे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक कान्फ्रेंस का आयोजन 5 जनवरी को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक कान्फ्रेंस का आयोजन 05 जनवरी को प्रस्तावित है। संयुक्त आयुक्त (विकास) डी. एस. रणदा ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में पूर्व में आयोजित वीडियों कॉन्फ्रेंस की समीक्षा होगी। कॉन्फ्रेंस में सभी जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक वीडियों कान्फ्रेंस के माध्यम से शामिल होंगे।

आज और कल खजराना गणेश मंदिर आने-जाने के लिए ट्रैफिक पुलिस की विशेष सुविधा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में नए साल पर बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष प्लान तैयार किया है। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के इस प्रमुख केंद्र पर 31 दिसंबर और 1 जनवरी को बड़ी संख्या में भक्तों के दर्शन के लिए पहुंचने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए मंदिर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने और श्रद्धालुओं को आने-जाने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यह ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है।

खजराना गणेश मंदिर के लिए जाने के लिए वाहन चालक खजराना चौराहा से सर्विस रोड होते हुए सिद्धिविनायक हॉस्पिटल से बाएं मुड़कर, गणेशपुरी मेन रोड, गोयल विहार रेनबसेरा टी से मंदिर एंट्री गेट होते हुए मंदिर परिसर पार्किंग स्थल तक पहुंच सकेंगे। दर्शन करने के बाद वह मंदिर पार्किंग परिसर से कालका माता मंदिर गेट से बाएं मुड़कर गणेश मंदिर तिराहा, पीपल चौराहा से खजराना चौराहा पहुंच सकेंगे।

जिन वाहन चालकों को खजराना गांव में जाना है। वह खजराना चौराहे से गोया रोड होते हुए जा सकेंगे। इसी प्रकार जिन्हें खजराना चौराहा की ओर आना है। वह जमजम तिराहा, मन्नत जनरल स्टोर से गोया रोड वाले मार्ग पर आवागमन कर सकेंगे। बंगाली चौराहा से सिद्धिविनायक हॉस्पिटल की ओर सर्विस रोड पर वाहनों का आना वर्जित रहेगा। खजराना चौराहा, गोया रोड से स्टार चौराहा की ओर तथा पीपल चौराहा से खजराना की ओर सिटी बसों का आना-जाना प्रतिबंधित रहेगा। सभी लोगों से अपील है कि परिवर्तित मार्ग से आवागमन करना अधिक सुविधाजनक रहेगा। कृपया यातायात व्यवस्था में सहयोग करें। ट्रैफिक पुलिस ने तैयार किया खजराना गणेश मंदिर में आने-जाने का रूट प्लान।

31 दिसंबर की रात 11 बजे बंद होगी एंट्री

इधर, मंदिर प्रबंधन ने भी अंदर की व्यवस्था तैयार की है, ताकि भक्तों को दर्शन करने में आसानी हो। 31 दिसंबर की रात 11 बजे मंदिर में एंट्री बंद कर दी जाएगी। रात 12 बजे भगवान की आरती होगी, जो भक्त पहले से मंदिर में होंगे वे ही आरती में शामिल हो सकेंगे। कल सुबह 4 बजे मंदिर में एंट्री शुरू हो जाएगी।

90 सीसीटीवी कैमरे और 60 सुरक्षा गार्ड

मंदिर के पुजारी पं.अशोक भट्ट ने बताया कि नए साल पर भक्तों की भीड़ को देखते हुए चार थानों को पुलिस फोर्स यहां लगाया जाएगा। 90 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। साथ ही यहां पर व्यवस्थाओं को देखते हुए 60 गार्ड्स लगाए जाएंगे।

आधे घंटे में हो सकेंगे दर्शन

नए साल को देखते हुए स्थायी बैरिकेड्स के अलावा अस्थायी बैरिकेड्स भी लगाए जाएंगे। जिक-जैक पैटर्न से भक्त लाइन में आगे बढ़ेंगे। भगवान के समाने के हिस्से में भक्तों की चार लाइन रहेंगी, जहां से वे भगवान के दर्शन कर सकेंगे। हालांकि इसमें करीब आधे घंटे का समय लग सकता है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, बुधवार 31 दिसंबर 2025

2 किमी में लगे 7 मिनट, मेट्रो को दोगुना टाइम लग रहा है

भोपाल (एजेंसी) ● शहर की मेट्रो की रफ्तार 'कछुआ चाल' जैसी है। एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक जाने में 4 से 5 मिनट लग रहे हैं, जबकि दूरी 1 किलोमीटर भी नहीं है। 7 किमी का सफर 25 मिनट का है, लेकिन स्टेशन पर इंटर से एग्जिट करने तक में 1 घंटा तक लग रहा है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर मीम्स भी बन रहे हैं। करीब दो किमी के सफर में मेट्रो को 7 मिनट लगे, लेकिन यही दूरी साइकिल से महज 3 मिनट में पूरी हो गई। जब ट्रायल हुए, तब इसी रफ्तार से मेट्रो ट्रैक पर दौड़ाई गई थी, लेकिन वर्तमान में यह 20 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से ही चल रही है। इसकी मुख्य वजह कम दूरी पर मेट्रो स्टेशन बनाए जाने हैं। ऑरेंज लाइन के प्रायोरिटी कॉरिडोर सुभाषनगर से एम्स तक कुल 8 में से एक भी स्टेशन ऐसा नहीं है, जिसकी दूरी 1 किमी भी हो। ऐसे में मेट्रो की स्पीड ही नहीं बढ़ पाती। सुभाषनगर स्टेशन से सुबह 10.55 बजे मेट्रो की शुरुआत का शेड्यूल है, जो 11.02 बजे डीबी मॉल स्टेशन पहुंचती है। डीबी मॉल स्टेशन पर पहुंच गई। टिकट काउंटर पर पहुंचे और 2 टिकट लिए। फिर उस हिस्से में पहुंचे, जहां से मेट्रो में सफर शुरू होता है। ठीक 11.02 बजे मेट्रो स्टेशन पर पहुंच गई। मेट्रो चली और अगला स्टेशन एमपी नगर आया, जिसे 1 किमी की दूरी तय करने में 4 मिनट लगे।

इसके बाद अगला स्टेशन रानी कमलापति आया। जहां ठीक 11.09 बजे मेट्रो रुकी। 2 किमी का सफर 7 मिनट में पूरा हुआ, जबकि टिकट लेने से लेकर सफर तक में 19 मिनट बीत चुके थे। अब रानी कमलापति स्टेशन से बाहर निकलने की बारी थी। चूंकि, ज्यादा भीड़ नहीं थी। इसलिए 3 मिनट में बाहर निकल गए। इस तरह मेट्रो में सफर, स्टेशन आने-जाने में कुल 22 मिनट का वक्त लग गया। जबकि दूसरी टीम स्टेशन के बाहर डॉ. अंबेडकर ओवरब्रिज पर साइकिल लेकर खड़ी थी। जैसे ही मेट्रो ट्रैक पर दौड़ी, साइकिल से रेस शुरू हो गई।

एमपी नगर स्टेशन तक तो मामला बराबरी जैसा ही रहा, लेकिन अगले स्टेशन पर साइकिल मेट्रो से पहले पहुंच गई। भोपाल में मेट्रो की दो लाइन- ऑरेंज और ब्लू पर काम चल रहा है।

ऑरेंज लाइन में 7 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर सुभाषनगर से एम्स के बीच मेट्रो का कमर्शियन रन भी शुरू हो चुका है। इसी ऑरेंज लाइन के दूसरे फेज में 8 और ब्लू लाइन में 14 स्टेशन बनेंगे। खास बात ये है कि इन दोनों रूट पर ही मेट्रो की अधिकतम रफ्तार 20 किमी प्रतिघंटा तक ही रहने का अनुमान है, क्योंकि स्टेशनों की दूरी को लेकर डिजाइन ही ऐसी बनाई गई है। दोनों रूट की कुल लंबाई 30.9 किलोमीटर है। इस पर कुल 30 स्टेशन बनेंगे। यानी, औसत 1 किलोमीटर पर एक स्टेशन आएगा।

मोहन सरकार ने 53100 करोड़ का लिया कर्ज

गुजरते वर्ष के दो दिन पहले 3500 करोड़ का कर्ज उठाया

भोपाल (एजेंसी) ● 2025 के जाने से पहले मोहन सरकार ने बाजार से 3500 करोड़ रुपए का नया कर्ज उठा लिया है। इसके बाद चालू वित्त वर्ष में मोहन सरकार द्वारा लिया गया कर्ज 53100 करोड़ तक पहुंच गया है। आरबीआई के जरिए 30 दिसंबर को तीन किस्तों में यह कर्ज लिया गया है जिसका भुगतान सरकार को 31 दिसम्बर को होने वाला है। इसके पहले शीतकालीन सत्र की शुरुआत के दौरान सरकार ने बाजार से कर्ज लिया था। वित्त वर्ष की शुरुआत के पहले सरकार पर 4 लाख 21 हजार करोड़ रुपए का कर्ज था।

मोहन सरकार का आज लिया गया पहला कर्ज 1200 करोड़ रुपए का है जो 5 साल के लिए है और इसका ब्याज के साथ सरकार 31 दिसम्बर 2030 तक भुगतान करेगी। इस राशि से कृषि योजनाओं, सिंचाई और पावर प्रोजेक्ट्स, कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में काम होगा। दूसरा लोन 11 साल के लिए लिया जा रहा है।

इस कर्ज की राशि भी 1200 करोड़ रुपए है जो 31 दिसम्बर 2036 तक के लिए है। तीसरा कर्ज 1100 करोड़ रुपए का है जो 23 साल की अवधि में ब्याज के साथ चुकता किया जाएगा। डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा बार-बार कर्ज लिए जाने को लेकर इसी माह स्पष्ट कर चुके हैं कि कर्ज नहीं यह निवेश है और यह कर्ज प्रदेश में विकास कार्यों, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की खातिर लिया जाता है और इसी में उसका उपयोग होता है।

कर्ज लेने की लिमिट अभी बाकी बता रही सरकार

सरकार ने अपनी रेवेन्यू को लेकर कहा है कि वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार 12487.78 करोड़ के रेवेन्यू सरप्लस में थी। इसमें आमदनी 234026.05 करोड़ और खर्च 221538.27 करोड़ रहा। इसके विपरीत वित्त वर्ष 2024-25 में प्रदेश सरकार की रिवाइज्ड आमदनी 262009.01 करोड़ और खर्च 260983.10 करोड़ बताया है। इस तरह पिछले वित्त वर्ष में भी सरकार की आय 1025.91 करोड़ सरप्लस बताई गई है, जो भी कर्ज लिया जा रहा है वह लोन की लिमिट के भीतर है।

मोहन सरकार आज लेगी 3,000 करोड़ का नया कर्ज

प्रदेश के विकास के लिए शीतकालीन सत्र के दौरान दूसरा अनुपूरक बजट लेकर आ रही मोहन सरकार आज तीन हजार करोड़ के कर्ज के लिए ऑक्सन करेगी जिसका भुगतान कल सरकार को होगा। तीनों ही कर्ज आरबीआई के जरिए लिए जा रहे हैं। जिसके ब्याज का भुगतान हर छह माही में 3 जून और 3 दिसम्बर को किया जाएगा। इस कर्ज के बाद राज्य सरकार पर चालू वित्त वर्ष का कर्ज 49600 करोड़ तक पहुंच जाएगा।

राज्य स्तरीय इंस्पायर्ड अवार्ड मानक प्रदर्शनी संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड मानक -2025 प्रदर्शनी का मंगलवार को जॉइंट डायरेक्टर एजुकेशन लोक शिक्षण इंदौर श्रीमती अनीता चौहान की अध्यक्षता में समापन हुआ। विशेष अतिथि के रूप में सहायक संचालक केसर सिंह डाबर,उत्कृष्ट प्राचार्य पूजा सक्सेना व निर्णायक मंडल के सदस्य उपस्थित थे। राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड प्रचार - प्रसार समिति के सदस्य दिनेश परमार ने बताया कि गुजराती स्कूल में दो दिवसीय राज्य स्तरीय इंस्पायर मानक प्रदर्शनी का समापन हुआ। जिसमें प्रदेश भर से लगभग 270 विद्यार्थियों ने विज्ञान के मानक मॉडलों का प्रदर्शन किया। जिसमें 27 टॉप मॉडलों का चयन राष्ट्रीय इंस्पायर्ड मानक प्रदर्शनी के लिए किया गया। प्रारम्भ में नोडल अधिकारी प्राचार्य आर के चेलानी ने स्वागत भाषण देते हुए राज्य स्तरीय इंस्पायर प्रदर्शनी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का सफल संचालन व्याख्याता सुनयना शर्मा ने किया एवं आभार के एस डाबर ने माना। इस अवसर पर प्राचार्य राजेश सिंह,मनोज खोपकर, रमेश कुमार सेन, शबाना शैख,कल्पना गाँधी,सपना हूमड, पूर्णिमा मंडलोई, अरुण मित्तल, भूषण सराफ, भूपेंद्र सोलंकी, राजीव जैन, अजय गड़करी, प्रकाश सिरवलकर,,रेणु महाजन पटवा, भावना जोशी,रीतू जोशी, रजत रोज़, अभिलाषा जैन,रश्मि यादव, अंजली चौहान, प्रेमलता पंवार, नीतू पारीख,मेहफूज अली,अनिल अहिरवार, अखिलेश पाल, पुष्पेंद्र राजपूत, अखिलेश चौधरी, ममता दांगी, सुचिता जैन, निहारिका सिंह, शीतल गुप्ता, विजेता यादव, अपेक्षा लाम्बे, आदि उपस्थित थे।

दो वर्ष में 95 नए सब स्टेशन तैयार कर बिजली आपूर्ति क्षमता बढ़ाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी उपभोक्ता सेवा संचालन और बिजली की बढ़ती मांग की गुणवत्ता के साथ पूर्ति करने के लिए सघनता से प्रयास कर रही है। दिसंबर 25 तक दो वर्ष के दौरान 33/11 केवी के 95 नए सब स्टेशन बनाकर किसानों, उद्योग, घरेलू, गैर घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए बिजली प्रदाय क्षमता का व्यापक विस्तार किया गया हैं। दो वर्ष में इंदौर शहर व इंदौर ग्रामीण वृत्त क्षेत्रों में ही 16 नए सब स्टेशन तैयार कर सौगातें दी गई है।

अब पश्चिम मप्र में ग्रिडों की बढ़कर संख्या 1640 हो गई है। पिछले दो वर्षों में 33 केवी बिजली लाइन 944 किमी, 11 केवी लाइन 3731 किमी, एलटी केबल 3520 किमी, इंदौर व उज्जैन शहर में अंडर ग्राउंड केबल 32 किमी, केपेसिटर बैंक 604 ग्रिडों पर स्थापित किए गए हैं। इसी तरह दो वर्षों के दौरान 193 ग्रिडों पर अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मरों की स्थापना/ क्षमता वृद्धि के कार्य हुए है। 8500 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए है।

'अरे ओ भिया' सड़क सुरक्षा अभियान के राजकुमार जैन को मिला सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर की रफ्तार को थमने नहीं देने वाले और हर मौसम में चौराहों पर मुस्तैद रहने वाले 'यातायात प्रहरियों' के जज्बे को सलाम किया गया। मौका था पलासिया स्थित यातायात प्रबंधन पुलिस कार्यालय के पास आयोजित सम्मान समारोह का। यहाँ टाटा-ग्रीन की ओर से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में कंधा से कंधा मिलाकर चलने वाले इन स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में टाटा-ग्रीन के रीजनल मैनेजर जावेद खान ने इन प्रहरियों को 'मौन रक्षक' बताया। उन्होंने कहा कि लीडरशिप का सबसे बेहतरीन रूप समाज और नागरिकों की सेवा में ही है। ये वॉलेंटियर्स कठिन से कठिन

परिस्थितियों में भी शहरवासियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करते हैं।

समारोह में शहर के चर्चित 'अरे-ओ-भिया' अभियान से जुड़े ट्रैफिक मैनेजमेंट मित्र राजकुमार जैन का विशेष सम्मान हुआ। सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति लगातार जागरूकता फैलाने के लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र सौंपा गया। आयोजकों ने उम्मीद जताई कि इस तरह के प्रोत्साहन से सड़क सुरक्षा को लेकर शहर में और अधिक सामाजिक चेतना आएगी।

रेडीमेड कांप्लेक्स परिसर की हालत खराब

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रेडीमेड कांप्लेक्स परदेशीपुरा के पूर्व अध्यक्ष और प्रसिद्ध वस्त्र व्यवसाई विक्की कॉलोनी ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इन दोनों रेडीमेड कांप्लेक्स परिसर की हालत खराब है। यह समय बहुत ही मंदी के दौर से गुजर रहा है इस कारण यहां की कुछ रेडीमेड यूनिट बंद पड़ी हुई है। सबसे बड़ी परेशानी यहां लगने वाले टैक्स से है इंदौर नगर निगम भी यहां से व्यापारियों से संपत्ति करके रूप में टैक्स लेता है और वहीं पर एमपीआईडीसी भी प्लीज वसूलता है यह वस्त्र व्यापारियों पर दोहरी मार है। जबकि इस समय रेडीमेड गारमेंट का व्यापार बहुत ही मंदी के दौर से गुजर रहा है यहां के व्यापारियों का कहना है के मध्य प्रदेश सरकार को किसी एक टेक्स से राहत प्रदान करने मांग की गई है।

समाधान योजना में सरचार्ज में सौ फीसदी तक छूट का आज अंतिम दिन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य शासन की महत्वपूर्ण समाधान योजना 2025-26 में सौ फीसदी तक सरचार्ज छूट का लाभ लेने के लिए आज अंतिम दिन है। योजना का लाभ लाखों बकायादार उपभोक्ता ले रहे हैं। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया हैं कि कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के प्रथम चरण में अंतिम दिन अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा कर सौ फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठाएं। 1 जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक समाधान योजना में बकायादारों के सरचार्ज माफी का दूसरा चरण चलेगा, उसमें सरचार्ज माफी का अंश कम हो जाएगा, अत: प्रथम चरण में 31 दिसंबर को योजना में शामिल होकर अधिकतम लाभ लिया जाए। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार शाम तक मालवा निमाड़ के तीन लाख 1700 बकायादार उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराकर रियायत का लाभ लिया है। कंपनी खाते में 83 करोड़ 52 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, वहीं बकायादार उपभोक्ताओं को मूल बिल राशि जमा करने पर 12.54 करोड़ रूपए की सरचार्ज रियायत प्रदान की गई है।

ड्रेनेज युक्त पानी से फैली बीमारी और मौतों पर जिला कांग्रेस सेवादल का तीखा हमला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में ड्रेनेज युक्त दूषित पानी की सप्लाई से 150 से अधिक लोगों के बीमार होने और कई निर्दोष नागरिकों की मौत हो जाने की गंभीर घटना को लेकर जिला कांग्रेस सेवादल के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। खंडेलवाल ने कहा कि यह घटना कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि भ्रष्ट, लापरवाह और असंवेदनशील प्रशासनिक व्यवस्था का परिणाम है। इंदौर जैसे स्मार्ट सिटी के दावों वाले शहर में अगर नागरिकों को पीने के लिए ड्रेनेज मिला पानी मिल रहा है, तो यह सीधे-सीधे मानवाधिकारों का हनन है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम, जल प्रदाय विभाग और जिला प्रशासन को पहले से स्थिति की जानकारी होने के बावजूद समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिसके कारण हालात भयावह हो गए। सैकड़ों परिवार बीमारी से जूझ रहे हैं और कई घरों में मातम पसरा हुआ है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अब तक जवाबदेही से बचते नजर आ रहे हैं।

न्यू ईयर पर जेब पर भारी पर्यटन, भोपाल से उज्जैन-ओंकारेश्वर-पचमढ़ी टैक्सी किराया

भोपाल (एजेंसी) ● नववर्ष के मौके पर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों की यात्रा इस बार आम लोगों के लिए महंगी साबित हो रही है। भोपाल से उज्जैन, ओंकारेश्वर और पचमढ़ी जाने वाली टैक्सियों के किराए में अचानक उछाल देखने को मिल रहा है। आम दिनों की तुलना में प्रति ट्रिप किराया करीब 1000 रुपये तक अधिक वसूला जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इन सभी स्थलों पर मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (एमपीटीडीसी) के होटल पूरी तरह फुल हो चुके हैं। आमतौर पर भोपाल से उज्जैन का टैक्सी किराया 2000 से 2500 रुपए, पचमढ़ी के लिए 2200 से 2500 रुपए और ओंकारेश्वर के लिए 2800 से 3200 रुपए के बीच रहता है। लेकिन नववर्ष के पीक सीजन में यही किराया बढ़कर उज्जैन और पचमढ़ी के लिए 3000 से 3500 रुपए,ओंकारेश्वर के लिए 3800 से 4200 रुपए तक पहुंच गया है।

पचमढ़ी में सबसे ज्यादा दबाव - पचमढ़ी में पर्यटकों का सबसे ज्यादा दबाव देखने को मिल रहा है। यहां एमपीटीडीसी की 11 यूनिट्स हैं, जिनमें 180 से 190 कमरे हैं। नववर्ष को लेकर ये सभी कमरे फुल हो चुके हैं। निजी होटल भी 60% तक बुक हैं। आम दिनों में जहां एक कमरे का किराया 4500 से 5000 रुपये रहता है, वहीं नए साल में किराया 6500 से 7000 तक पहुंच गया है।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

अरावली की ऊंचाई पर सुप्रीम कोर्ट की परिभाषा, क्या 100 मीटर की लकीर से खतरे में पड़ जाएगा पूरा इकोसिस्टम ?

दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत-शृंखलाओं में से एक अरावली पहाड़ियों के संरक्षण और बिना रोकटोक खनन से समूचे क्षेत्र में होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही है। हाल ही में अरावली पहाड़ियों की ऊंचाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से नई परिभाषा सामने आने के बाद स्वाभाविक ही यह बहस तेज हो गई कि अगर इसे कसौटी बनाया गया, तो आने वाले वक्त में स्थानीय पारिस्थितिकी पर इसका क्या असर पड़ेगा। पर्यावरण विशेषज्ञों से लेकर आम जनता के स्तर पर सौ मीटर की ऊंचाई वाली परिभाषा को लेकर चिंता जताई गई और एक बड़े इलाके के पर्यावरण पर जोखिम की आशंका के मद्देनजर इसमें फिर से बदलाव की मांग की गई। अब सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने पहले के निर्देशों पर रोक लगा दी और कहा कि कुछ महत्त्वपूर्ण अस्पष्टता को दूर करने की जरूरत है। इसमें एक सवाल यह भी शामिल है कि क्या सौ मीटर की ऊंचाई और पहाड़ियों के बीच पांच सौ मीटर का अंतर पर्यावरण संरक्षण के दायरे के एक महत्त्वपूर्ण हिस्से को कम कर देगा। गौरतलब है कि 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और श्रेणियों की एक समान और वैज्ञानिक परिभाषा को मंजूरी दे दी थी। इसके अलावा, अरावली क्षेत्र में विशेषज्ञों की रपट आने तक नए खनन पट्टे देने पर रोक लगा दी गई थी। दरअसल, दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत-शृंखलाओं में से एक अरावली पहाड़ियों के संरक्षण और बिना रोकटोक खनन से समूचे क्षेत्र में होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही है। इसी संबंध में केंद्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति ने सिफारिश की थी कि अरावली पहाड़ियों के संबंध में स्पष्ट और वैज्ञानिक परिभाषा बेहद जरूरी है। समिति ने यह भी कहा था कि अरावली जिलों में स्थित सौ मीटर या उससे अधिक की किसी भी भू-आकृति को पहाड़ी माना जाएगा। मगर सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी इसे स्वीकार्यता मिलने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर अरावली के जीवन को लेकर चिंता जताई गई और कई सवाल उठे। यह एक जगजाहिर तथ्य है कि दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान तथा गुजरात में सैकड़ों किलोमीटर के इलाके में फैली अरावली पहाड़ियां कैसे एक जीवन-रेखा की भूमिका में खड़ी हैं और पर्यावरण के लिहाज से इसकी कितनी अहमियत है।

बांग्लादेश इस बात का एक अच्छा उदाहरण है कि जब लोकतंत्र नहीं होता है तो क्या होता है ?

बांग्लादेश में एक हिंदू व्यक्ति दीपु चंद्र दास की नृशंस हत्या के अभी मुश्किल से 72 घंटे ही बीते थे । इसी बीच बांग्लादेश की कट्टर जनता की एक और हिंदू युवक पर हमले की एक और घटना सामने आ गई। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को खुलना डिवीजन के झेनाइदह जिले में एक हिंदू रिक्शा चालक पर भीड़ ने हमला किया। पीड़ित की पहचान गोविंद बिस्वास के रूप में हुई है। बताया गया कि कुछ लोगों ने उसकी कलाई पर बंधा लाल पवित्र धागा (कलावा) देख लिया, जो आमतौर पर हिंदू पहनते हैं। इसके बाद उस पर हमला कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक उसके गले और सीने में चोटें आई हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, कुछ लोगों ने अफवाह फैलाई कि गोविंद बिस्वास का संबंध भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (RAW) से है। इसके बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई और उसने बिस्वास की पिटाई कर दी। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में, बिस्वास को पुलिस की हिरासत में ले जाते समय यह कहते हुए देखा जा सकता है कि वह एक रिक्शा चालक है। वह खुद को रिहा किए जाने की मांग कर रहा था। इसके बाद उसे झेनाइदह सदर पुलिस थाने में बंद कर दिया गया। गोविंद को झेनाइदह जिला नगरपालिका के गेट के पास बिस्वास को पीटा गया और फिर पुलिस के हवाले कर दिया गया। बाद में अधिकारियों ने बताया कि मारपीट की वजह से उसके गले और सीने में चोटें आई हैं।

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति खुलेआम पुलिसकर्मियों की हिरासत से गोविंद बिस्वास को छुड़ाने की कोशिश करता है। लेकिन वह खुद को रिक्शा चालक बता रहा। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हिंसा की घटनाओं की लगातार बिगड़ती स्थिति में यह एक और इजाफा है। बांग्लादेश में लगातार कानून-व्यवस्था की बेहद खराब होती जा रही है। दरअसल देखा जाय तो बांग्लादेश इस बात का एक अच्छा उदाहरण है कि जब लोकतंत्र नहीं होता है तो क्या होता है, और इसे जीवित रखने के लिए आवश्यक नियामक तंत्र नहीं होते हैं। उस देश में आंतरिक उथल-पुथल का एक आवेग समाप्त हो गया है और दूसरा शुरू हो गया है। पहला आवेग देश को और अस्थिर कर देगा। फरवरी में आम चुनाव होने हैं। पात्रों की अनुपस्थिति में कई वर्षों में यह पहला चुनाव है । भारत में शेख हसीना के अलावा कोई अन्य राजनीतिक नेता नहीं है, जिनकी हालत गंभीर है, और उनकी मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बेगम खालिदा जिया, जो क्रमशः दो प्रमुख दलों, अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की नेता हैं। पिछले साल जुलाई में जब आम चुनावों की पृष्ठभूमि में हसीना के खिलाफ छात्र आंदोलन छिड़ गया था, तो सत्तारूढ़ अवामी लीग ने बीएनपी को चुनाव लड़ने नहीं दिया था और उससे लगी राजनीतिक आग आखिरकार सत्तारूढ़ पार्टी को ही जलाकर बुझा दी गई थी। अब बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रभारी मुहम्मद यूनुस इस बार अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाकर हसीना की गलती दोहरा रहे हैं। देश में ज्यादा राजनीतिक दल नहीं हैं। अधिक राजनीतिक कार्यकर्ता। स्वाभाविक रूप से, जब किसी पार्टी के साथ अन्याय की भावना होती है, तो विपक्षी जनता के गुस्से का विस्फोट होता है। बीएनपी का मुंह बंद कर दिया गया, हसीना को राजनीतिक रूप से मार दिया गया, और कोई नहीं कह सकता कि अगर अवामी लीग का मुंह बंद कर दिया गया तो कितने और मारे जाएंगे, लेकिन हमारे लिए इसे नजरअंदाज करना लापरवाह और खतरनाक होगा क्योंकि दोनों विस्फोटों में भारत के खिलाफ गुस्सा मुख्य धागा है।

एक युवा राजनेता, शरीफ उस्मान हादी की हत्या पर बांग्लादेश में नवीनतम आक्रोश ने व्यापक और भयानक प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है: ढाका और कई अन्य क्षेत्रों में रैलियां आयोजित की गईं, दो समाचार पत्रों के कार्यालयों को जला दिया गया, भारतीय राजनयिकों के आवासों पर हमला किया गया, और एक हिंदू व्यक्ति को ईशनिंदा के लिए पीट-पीटकर मार डाला गया, उसके शरीर को एक पेड़ से लटका दिया गया था और उसके शरीर को सार्वजनिक रूप से जला दिया गया था, और प्रभारी शासक, मुहम्मद यूनुस, एक अर्थशास्त्री हो सकते हैं। हसीना के भागने के बाद यूनुस को सर्वसम्मति से अंतरिम सरकार का सलाहकार नियुक्त किया गया था।उन्होंने अक्सर आश्वासन दिया है कि वह वाणिज्य दूतावास कार्यालयों और अन्य विदेशी प्रतिष्ठानों की रक्षा करेंगे। ताजा घटनाक्रमों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि या तो वे इन वादों के प्रति गंभीर नहीं हैं या फिर बांग्लादेश के युवा राजनीतिक कार्यकर्ताओं द्वारा उनकी गिनती नहीं की जा रही है, कुछ भारतीय वीजा केंद्रों को बंद करना पड़ा है और मंदिरों पर हमले कम हुए हैं लेकिन रुके नहीं हैं। पिछले महीने, वहां के एक ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना को विभिन्न अपराधों के लिए मौत की सजा और आजीवन कारावास की दोहरी सजा सुनाई थी। हमने बांग्लादेश की इस मांग को स्वीकार नहीं किया है कि हसीना को हमें सौंप दिया जाए क्योंकि वह एक सजायाफ्ता अपराधी है। प्रतिनिधिमंडल से बचता है। यह भारत के लिए एक राजनीतिक समस्या होगी। लेकिन इससे बांग्लादेश के लोगों का गुस्सा और शक भी बढ़ेगा। मौजूदा सरकार के पसंदीदा विपक्षी नेता शशि थरूर की अध्यक्षता वाली संसद की विदेश मामलों की समिति को उनकी कूटनीतिक समझ पर कोई संदेह नहीं है और उसने चेतावनी दी है कि बांग्लादेश में संकट 1971 के बाद पहली बार इतना गहरा होगा कि हसीना के समर्थक सत्ता में वापस आ जाएंगे। समिति की टिप्पणी है कि बांग्लादेश के प्रति केंद्र की नीतिगत पहल व्यक्ति-केंद्रित है और सरकार केंद्रित नहीं है। यह विषय-केंद्रित नीति के कारण था कि हमने शेख हसीना के प्रति अत्यधिक स्नेह दिखाने की गलती की और उनके खिलाफ असंतोष को ध्यान देने में विफल रहे, विशेष रूप से कोरोना के बाद बांग्लादेश में। शरीफ उस्मान हादी का हत्यारा फैसल करीम मसूद एक भगोड़ा है, जिसे कथित तौर पर भारत द्वारा शरण दी गई है, लेकिन भारत सरकार से तत्काल और स्पष्ट स्पष्टीकरण की आवश्यकता है, क्योंकि सुनी-सुनाई बातों या अर्धसत्य को सत्य के रूप में स्वीकार करने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं। हादी चुनाव लड़ने जा रहे थे और राजनीतिक शून्य को भरने के लिए उत्सुक थे। आंदोलन का नेतृत्व हादी ने किया था, और बांग्लादेश के कई युवाओं की नजर में, वह बांग्लादेश के भविष्य के शासक और भाग्य निर्माता थे, और उनके गुणों और दोषों का कोई व्यापक और निष्पक्ष मूल्यांकन नहीं किया गया है, लेकिन हमें यह स्वीकार करना होगा कि शेख हसीना के युवा विरोधियों में से एक की हत्या भारत के लिए सिरदर्द है।

ऐसा इसलिए क्योंकि मुख्य भूमि को जोड़ने वाले 'चिकन नेक' कॉरिडोर पर हमला करके भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग करने की बात करने वाले नेता देश की मुख्यधारा में दिखाई दे रहे हैं। जिहादी तत्वों ने बांग्लादेश में कुछ हद तक जड़ें जमा ली हैं, पाकिस्तान जितनी नहीं, और वे मौजूदा स्थिति में अंकुरित होने लगे हैं। पाकिस्तान और चीन इस स्थिति का फायदा उठाने के लिए तैयार हैं, पश्चिम (पाकिस्तान) से नहीं पाकिस्तान के सेना प्रमुख सैयद आसिम मुनीर ने हाल ही में कहा था कि वे पूर्व से आक्रमण करेंगे और पश्चिम की ओर विजयी होंगे। उस समय 45 फीसदी जमीन पाकिस्तान और 55 फीसदी बांग्लादेश में आई थी। इसका कारण यह है कि दक्षिण एशिया का इतना बड़ा देश भारत विरोधी बन गया है और इतने सालों से हमारा करीबी दोस्त रहा है।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

जैविक अनाज-सब्जियों का बाजार, 30 से ज्यादा किसान पहुंचे; अनाज मंडी में मिलेगा गुड़, दालें और सब्जियां

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साप्ताहिक जैविक हाट की शुरुआत की गई है। अनाज मंडी परिसर में आयोजित इस हाट का शुभारंभ विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने किया। जैविक हाट में जिले के 30 से अधिक जैविक कृषि उत्पादक किसानों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए। यहां हल्दी, मिर्च, टमाटर, दालें, अमरूद, ब्रोकली, खीरा और जैविक गुड़ की बिक्री की गई।

औषधीय फसलें और वर्मी कम्पोस्ट भी उपलब्ध

हाट में अमलतास, अश्वगंधा, सफेद मूसली जैसी औषधीय फसलें और वर्मी कम्पोस्ट भी किसानों द्वारा लाए गए थे, जिन्हें उपभोक्ताओं ने रुचि के साथ खरीदा।

हर रविवार लगेगा जैविक बाजार

जैविक कृषि उत्पादों को प्रोत्साहन देने के लिए अब यह हाट हर रविवार को सब्जी मंडी परिसर में लगाया जाएगा, जिससे किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ने का अवसर मिलेगा।

रासायनिक खेती से बढ़ रही समस्याएं: विधायक

विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने कहा कि हमारे पूर्वज प्राकृतिक खेती करते थे, लेकिन समय के साथ रासायनिक खेती का चलन बढ़ गया। खेती में रसायनों और उर्वरकों के अधिक उपयोग से पर्यावरण, भूमि और मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि जैविक हाट का उद्देश्य जैविक और प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाना और आम लोगों को विष-रहित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में परियोजना संचालक 'आत्मा' एमएल कनास, सहायक संचालक प्रकाश ठाकुर, कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरके सिंह, डॉ. सुनील त्यागी, दीपक मालवीय, डॉ. मना सोलंकी, व्यापारी संगठन के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मंडी में कपास खरीद बंद होने पर किसान आक्रोशित, हाईवे पर लेटकर धरना दिया, सीसीआई से खरीद बहाल करने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● भीकनगांव मंडी में भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा कपास की खरीद बंद किए जाने के विरोध में किसानों ने मंगलवार को ढाई घंटे प्रदर्शन किया। दोपहर करीब 12 बजे 150 से अधिक किसानों ने खंडवा-बड़ोदरा हाईवे पर लेटकर धरना दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। दोपहर 2:30 बजे खरीदी आश्वासन दिया गया। भारतीय कपास निगम में स्लॉट बुक किसानों से खरीदी कल (बुधवार) से पूर्ववत होगी।

किसानों ने मांग की कि खरगोन की तरह भीकनगांव में भी कपास की खरीद जारी रखी जाए। मंडी में इस समय 100 से अधिक वाहन और बैल गाड़ियां कपास की नीलामी के लिए खड़े रहे। एक दिन पहले खरगोन में भी इसी तरह का हंगामा हुआ था, जिसके बाद किसानों के आंदोलन के बाद रात में कपास की खरीद फिर से शुरू की गई थी। भीकनगांव में हंगामे की सूचना पर पुलिस और राजस्व कर्मचारी मौके पर पहुंचे और किसानों को समझाने का प्रयास किया। किसानों को आशंका है कि सीसीआई की खरीद बंद होने से उन्हें अपना कपास निजी व्यापारियों को बेचना पड़ेगा, जिससे उन्हें कम भाव मिलने की संभावना है। सगुर भगुर के किसान विजय पटेल ने बताया कि बड़ी मुश्किल से स्लॉट बुकिंग हुई थी और वे सोमवार शाम को ही कपास लेकर मंडी पहुंचे थे, लेकिन अचानक खरीद बंद कर दी गई। किसानों का कहना है कि हजारों किसानों के स्लॉट पहले से ही बुक थे और तय तारीख पर वे कपास लेकर आए थे, तब उन्हें खरीद बंद होने की सूचना दी गई। किसानों ने आरोप लगाया कि खरीद बंद करने से दो-तीन दिन पहले सूचना दी जानी चाहिए थी। उन्हें एक वाहन का भाड़ा 2500 से 3000 रुपए लग रहा है, जो अब व्यर्थ जाएगा। मंडी प्रशासन ने सोमवार शाम को स्थानीय मंडियों में सीसीआई की खरीद नहीं करने संबंधी निर्देश जारी किए थे। किसानों का कहना है कि उन्हें यह सूचना तब मिली जब बड़ी संख्या में किसान पहले से ही बुक की गई तारीख पर कपास लेकर मंडी पहुंच चुके थे। इसलिए उनकी मांग है कि खरगोन की तरह उनके कपास की भी खरीद की जाए। कलेक्टर भव्या मित्तल, खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने सीसीआई अधिकारियों के साथ ऑनलाइन गूगल मिट आयोजित की। अपर कलेक्टर रेखा राठौर, उप संचालक कृषि शिव सिंह राजपूत, मंडी सचिव शर्मिला निमामा सहित खरीदी से जुड़े अफसर शामिल हुए।

कलेक्टर, सीईओ का झूठ छिपाने आज सुबह खोदा गड्ढा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जल संरक्षण के नाम पर मिले राष्ट्रपति अवॉर्ड के पीछे के फर्जीवाड़े की परतें अब खुलने लगी हैं। दैनिक भास्कर के खुलासे के बाद मंगलवार को भोपाल से सीनियर आईएएस दिनेश कुमार जैन के नेतृत्व में दो सदस्यीय जांच दल खंडवा पहुंचा। गड़बड़ियों को जांचने के लिए कहीं, गड्?ढा खुदवाकर देखा तो कहीं ग्रामीणों से बात की। जांच में यह बात खुलकर सामने आ गई कि कलेक्टर-सीईओ का झूठ छिपाने के लिए टीम आने के पहले इंटकवेल खोदे गए।

हरसूद जनपद का डोटखेड़ा गांव

जांच दल कहां और किस गांव में जा रहा है। वहां क्या हुआ। यह सब जानने के लिए दैनिक भास्कर की टीम भी पीछे-पीछे चली। सबसे पहले टीम हरसूद जनपद के ग्राम डोटखेड़ा पहुंची। टीम यहां से सीधे ग्राम पलानी माल पहुंची। टीम के आने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए। अधिकारियों कुछ पूछते इससे पहले ही लोगों ने फर्जीवाड़े की कहानी कहना शुरू कर दिया। वे टीम को उन सभी जगहों पर लेकर पहुंचे, जहां दिखाया कुछ और गया। हकीकत कुछ और मिली।

गड्ढों का सच: अभियान के तहत प्रशासन ने 6×6 फीट का गड्ढा खोदने का निर्देश दिया था, लेकिन पंचायत ने सरकारी भवनों के पास जो गड्ढे खोदे, उनकी गहराई 1 फीट भी नहीं मिली।

आंगनवाड़ी: हाट बाजार स्थित आंगनवाड़ी भवन में 'रूफ वाटर हार्वेस्टिंग' सिस्टम तो लगा था, लेकिन छत से जमीन तक पानी लाने वाला कनेक्शन पाइप ही गायब था।

आरोग्य केंद्र: आरोग्य केंद्र की छत पर हार्वेस्टिंग के लिए बनाई गई मुंडेर बारिश में ओवरफ्लो होने के कारण तोड़नी पड़ी थी। यहां भी सोख्ता गड्ढा नाममात्र का (1 फीट) मिला।

जांच दल की सूचना मिली तो खोदा ग ।

ग्राम शाहपुरा माल में जांच दल के निरीक्षण के दौरान सामने आया कि वीरेंद्र मालवीय के खेत पर रिचार्ज पीट की राशि पूर्व में ही निकाली जा चुकी थी। वहीं, रिचार्ज पीट मौके पर नहीं था। जांच दल की सूचना मिलते ही पंचायत सचिव ने मंगलवार सुबह ही जेसीबी मशीन से एक गड्ढा खुदवा दिया, जिसकी गहराई एक फीट थी। इस्टीमेट के अनुसार इस गड्ढे का साइज 10 बाय 10 का होना था। वहीं, जिस जगह गड्ढा खोदा गया, वह खेत का एक कोना था, जहां झाड़ियां उगी थीं, इसलिए वहां उसके होने का कोई औचित्य ही नहीं था।

सांसद-विधायक ने कोहदड़-डोंगरगांव में ब्रिज बनाने की मांग, स्टॉपेज बहाल करने की मांग; भुसावल रेल मंडल की मीटिंग में रखी बात

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● पंधाना विधानसभा क्षेत्र के बगमार, कोहदड़ और डोंगरगांव रेलवे स्टेशनों पर बंद पड़े यात्री ट्रेनों के स्टॉपेज तथा कोहदड़-डोंगरगांव के बीच पुरानी पुलिया की समस्या को लेकर जनप्रतिनिधियों ने रेलवे प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक छाया मोरे ने सोमवार को भुसावल में हुई मध्य रेल भुसावल मंडल की मीटिंग में मंडल रेल प्रबंधक के सामने मांगें रखी।

उन्होंने कोहदड़ स्टेशन और डोंगरगांव के बीच स्थित पुरानी पुलिया पर ओवरब्रिज या अंडरब्रिज निर्माण की आवश्यकता बताई। सांसद ने कहा कि यह मार्ग करीब 30 गांवों के लोगों के लिए मुख्य आवागमन मार्ग है, जिससे स्कूली बच्चे, किसान, ग्रामीण और यात्री प्रतिदिन गुजरते हैं।

बारिश में बन जाता है जानलेवा रास्ता- बताया कि बारिश के मौसम में पुलिया पूरी तरह भर जाती है, जिससे रास्ता बंद हो जाता है। ऐसे में ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को जोखिम उठाकर पुलिया पार करनी पड़ती है। कई बार रेल विभाग द्वारा सुरक्षा कारणों से खुदाई कर मार्ग बंद कर दिया जाता है, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है।

30 गांवों की आवाजाही प्रभावित- इस मार्ग से कोहदड़, छनेरा, बिहार, इटवा, भीलखेड़ी, पाडल्या, गांधवा, डोंगरगांव, बोरगांव, लहोरिया, जगतपुरा, रामपुरी कालापाट, चारखेड़ा, कुमठा, बोरखेड़ा, सराय, ऐड़ा, अडेला, खिड़गांव सहित अन्य गांवों के लोग खंडवा और बोरगांव की ओर आवागमन करते हैं। सांसद और विधायक ने मांग की कि यदि ओवरब्रिज संभव न हो तो सुव्यवस्थित अंडरब्रिज और जल निकासी व्यवस्था के साथ निर्माण किया जाए।

बंद रेलवे स्टॉपेज दोबारा शुरू करने की मांग- इधर, पंधाना विधायक छाया मोरे ने भी भुसावल रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक से कहा कि, बगमार, कोहदड़ और डोंगरगांव रेलवे स्टेशनों पर कोरोना काल में बंद किए गए सामान्य यात्री ट्रेनों के स्टॉपेज पुनः शुरू करने की मांग की है।

बुमराह ने दिया सरप्राइज, नेट्स पर प्रैक्टिस करने पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी) ● बीसीसीआई ने भारतीय टीम के सभी प्रमुख खिलाड़ियों को विजय हजारे ट्रॉफी में कम से कम दो मैच खेलने के लिए कहा है। हालांकि इसमें जसप्रीत बुमराह का नाम शामिल नहीं हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के शुरू होने में अब एक समय से थोड़ा ही ज्यादा समय बचा हुआ है। ऐसे में बुमराह का फिट रहना काफी जरूरी है। पिछले विश्व कप में उन्होंने भारत की जीत में अहम रोल निभाया था और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने

थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ आने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए आराम दिया जाएगा। वहीं उन्हें पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए टीम में चुना गया है। हालांकि आराम के दौरान भी बुमराह खेल से दूर नहीं हैं। बुमराह अचानक अहमदाबाद गुजरात कॉलेज ग्राउंड में नेट प्रैक्टिस में पहुंच गए। जहां तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 का मैच खेला जा रहा था। उन्होंने पहले वार्म-अप किया और फिर छोटे रन-अप के साथ बॉलिंग शुरू की, जिसके बाद वह अपने नेचुरल रन-अप पर आ गए।

गुकेश उलटफेर का शिकार, फाइड वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप में स्लोकिन ने दी मात

दोहा (एजेंसी) ● विश्व चैंपियन डी गुकेश फाइड वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप 2025 में उलटफेर का शिकार हो गए हैं। 12 साल के फिडे मास्टर सर्गेई स्लोकिन से हार का सामना करना पड़ा। स्लोकिन से उनका यह मुकाबला तीसरे राउंड का था। गुकेश पर टाइम का भारी दबाव था और उन्होंने एक गलती कर दी। वैसे तो यह मुकाबला गुकेश के पक्ष में झुका हुआ लग रहा था। विश्व चैंपियन गुकेश की ब्लिट्ज रेटिंग 2628 थी, जो स्लोकिन की लगभग 2400 की रेटिंग से 228 अंक ज्यादा थी।

दोनों खिलाड़ियों के लेवल में काफी बड़ा अंतर है। गुकेश एक सुपर ग्रैंडमास्टर हैं, जिनकी क्लासिकल रेटिंग 2750 से ऊपर है। दूसरी तरफ स्लोकिन के पास फिडे मास्टर का टाइटल है, जो ग्रैंडमास्टर से दो स्तर नीचे है। इस बड़े अंतर के बावजूद, स्लोकिन ने गुकेश का डटकर मुकाबला किया। खेल का निर्णायक मोड़ 70वें चाल पर आया, जब समय सबसे बड़ा कारक बन गया। काले मोहरों से खेल रहे गुकेश के पास सिर्फ आठ सेकंड बचे थे, जबकि स्लोकिन के पास लगभग 13 सेकंड थे। इस समय युवा प्रतिभा ने हाथी की अदला-बदली का प्रस्ताव दिया। गुकेश एक प्यादा पीछे थे, लेकिन यह अदला-बदली खेल को ड्रॉ करवा सकती थी, लेकिन गुकेश ने एक जोखिम भरा रास्ता चुना। उन्होंने हाथी की अदला-बदली को अस्वीकार कर दिया और जीतने की संभावना बनाए रखने के लिए 70आरएफ4 चला। यह फैसला महंगा साबित हुआ। स्लोकिन ने इस मौके का सटीक फायदा उठाया और जल्द ही एक बिशप जीत लिया। इसके बाद गुकेश की स्थिति बिगडने लगी और उनके पास लडने के लिए कोई प्यादा नहीं बचा था, इसलिए उन्होंने लगभग दस चालों के बाद हार मान ली।

विमेंस इंडिया ने 5-0 से टी-20 सीरीज जीती

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी) ● विमेंस इंडिया ने श्रीलंका को पांचवें टी-20 में 15 रन से हराकर सीरीज 5-0 से जीत ली। टीम ने तीसरी बार 5-0 के अंतर से टी-20 सीरीज जीती। तिरुवनंतपुरम में आज पांचवें टी-20 मैंच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। भारत ने 7 विकेट खोकर 175 रन बनाए। श्रीलंका 7 विकेट के नुकसान पर 160 रन ही बना सकी। ग्रीनफील्ड स्टेडियम में भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फिफ्टी लगाई। उन्होंने 43 गेंद पर 9 चौके और 1 छक्का लगाकर 68 रन बनाए। अरुंधति रेड्डी ने 27 और अमनजोत कौर ने 21 रन बनाए। श्रीलंका से चमारी अटापट्टू, कविषा दिलहारी और रश्मिका सेवांदी ने 2-2 विकेट लिए।

श्रीलंका ने दूसरे ही ओवर में कप्तान चमारी अटापट्टू का विकेट गंवा दिया। यहां से हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी ने 79 रन की पार्टनरशिप की। इमेशा 50 रन बनाकर आउट हुईं, यहां से श्रीलंकाई पारी संभल ही नहीं सकी और टारगेट से दूर रह गई। हसिनी परेरा ने 65 रन बनाए। भारत से श्री चरणी, स्नेह राणा, वैष्णवी शर्मा, दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी और अमनजोत कौर ने 1-1 विकेट लिया। एक बैटर रन आउट भी हुईं।

भारतीय सिनेमा पहले से ज्यादा संवेदनशील और समावेशी हुआ है : वामिका गब्बी

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री वामिका गब्बी का मानना है कि बीते कुछ दशकों में भारतीय सिनेमा में बड़ा और सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। उनके अनुसार, अब दर्शक फिल्मों की बारीकियों को समझने लगे हैं और कहानी कहने को वह सम्मान मिलने लगा है, जिसकी वह लंबे समय से हकदार थी। वामिका ने समकालीन सिनेमा की जमकर तारीफ की और कहा कि

आज का सिनेमा सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रह गया है। वामिका गब्बी ने 21वीं सदी की पहली तिमाही के खत्म होने पर भारतीय सिनेमा के सफर को सराहते हुए कहा कि अब शांत, गहरी और संवेदनशील कहानियां भी दर्शकों तक पहुंच रही हैं।

उन्होंने कहा, 'अब ऐसी कहानियां भी जगह बना रही हैं, जिन्हें असर छोड़ने के लिए जोर-जोर से चिल्लाने की जरूरत नहीं पड़ती। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह है कि कहानी कहने को कितनी जगह मिली है। पिछले कुछ दशकों में शांत कहानियों, कमजोर समझे जाने वाले किरदारों और उन भावनाओं को जगह मिली है, जिन्हें व्यक्त करने के लिए ऊंची आवाज जरूरी नहीं होती।'

बोल्ड सीन से करियर पर पड़ सकता था असर : त्रिधा चौधरी

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री त्रिधा चौधरी हाल ही में फिल्म 'किस किस को प्यार करूं-2' में नजर आई थीं। इस फिल्म के बाद उन्होंने अपने करियर और निजी फैसलों को लेकर खुलकर बात की है। बातचीत में त्रिधा ने बताया कि वह अपने प्रोजेक्ट्स का चयन बेहद सोच-समझकर करती हैं और सिर्फ किसी एक मौके के लिए अपने लंबे करियर को दांव पर नहीं लगाना चाहतीं। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उन्हें हॉलीवुड से एक अच्छा ऑफर मिला था, लेकिन उस प्रोजेक्ट में बोल्ड सीन करने की शर्त थी। त्रिधा ने कहा कि उन्हें पहले से अंदाजा था कि ऐसे सीन करने से उनकी छवि पर असर पड़ सकता है और भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में उनके लिए आगे के रास्ते मुश्किल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अच्छी तरह पता था कि अगर मैं ऐसे सीन करती हूं, तो बॉलीवुड और दूसरी भारतीय इंडस्ट्री में मिलने वाले कई मौके मुझसे छिन सकते हैं।' त्रिधा ने यह भी बताया कि बोल्ड सीन करने से एक खास तरह की इमेज बन जाती है, जिससे कई अच्छे और अलग तरह के प्रोजेक्ट्स हाथ से निकल जाते हैं। वह नहीं चाहती थीं कि किसी एक फिल्म या सीरीज की वजह से उनका पूरा करियर एक सीमित दायरे में बंध जाए।

उज्जैन संभाग

ट्रेनों की क्षमता व स्टेशन पर सुविधाएं बढ़ेगी, 11 प्लेटफॉर्म पर रिटर्न ट्रेनों को खड़ा करने और टर्मिनेट करने की क्षमता विकसित होगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● रेलवे की अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों में रेल गाड़ियों की संचालन क्षमता दोगुनी करने की योजना है। इस योजना में उज्जैन शहर भी शामिल है। उज्जैन में धार्मिक पर्यटन की बढ़ रही भीड़ को देखते हुए 11 प्लेटफॉर्म रिटर्न ट्रेनों को खड़ा करने और टर्मिनेट करने की क्षमता विकसित होगी। इंदौर-उज्जैन क्षेत्र में कुल 7 नई पिट लाइनें और 16 नई स्टेबलिंग लाइनों की सुविधा बढ़ाने पर सहमति बनी है जिसके बाद 32 नई ट्रेनों का अवागमन बढ़ जाएगा। रेलवे पीआरओ ने बताया कि उज्जैन मार्ग पर यात्रा की मांग में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए, अगले 5 वर्षों में

प्रमुख शहरों की नई रेल गाड़ियों के संचालन की क्षमता को वर्तमान स्तर से दोगुना करना आवश्यक है। आगामी वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्तमान बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा। वर्ष 2030 तक संचालन क्षमता को दोगुना करने के लिए नियमित रूप कार्य किया जाएगा।उज्जैन, जो धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र है, वहां आगामी सिंहस्थ 2028 को देखते हुए 9 नई स्टेबलिंग/होल्डिंग लाइनों की योजना बनाई गई है। इससे लगभग 11 प्लेटफॉर्म रिटर्न ट्रेनों को खड़ा करने और टर्मिनेट करने की क्षमता विकसित होगी। साथ ही यार्ड रिमॉडलिंग, इलेक्ट्रॉनिक इंटर लॉकिंग का पूरा कर लिया गया है। संभावित अतिरिक?त यात्रियों का समायोजन करने के लिए यात्री होल्डिंग ज़ोन तथा सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा।

भाजपा प्रवक्ता ने मां-बगलामुखी मंदिर में किया हवन, हिजाब पर प्रतिबंध का संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● जिले के नलखेड़ा स्थित प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में सोमवार रात भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने विशेष अनुष्ठान किया। मंदिर में करीब तीन घंटे तक हवन और पूजा के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में कई मुद्दों चर्चा की। साल के अंतिम दिनों में मां बगलामुखी मंदिर में देशभर से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। इसी क्रम में शाजिया इल्मी ने मंदिर में विशेष अनुष्ठान किया।

उन्होंने इसे अपनी मानसिक शांति और आने वाले लक्ष्यों से जुड़ा बताया। शाजिया इल्मी ने कहा कि 2026 के लिए उनका संकल्प भारत में हिजाब पर पूर्ण प्रतिबंध से जुड़ा है। उन्होंने इसे मुस्लिम महिलाओं से संबंधित मुद्दा बताते हुए अपनी बात रखी।

शाजिया अपनी पिछली पहलों का उल्लेख करते हुए बताई कि वर्ष 2015 में उन्होंने तीन तलाक के खिलाफ अभियान शुरू किया था। इसके बाद 2019 में हलाला और बहुविवाह के विरोध में आवाज उठाई। उनके मुताबिक, अब हिजाब जैसे मुद्दों पर चर्चा का समय है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर बोलते हुए शाजिया ने इसे गंभीर बताया। कहा मौजूदा हालात उन्हें कश्मीर के नरसंहार और मोपला दंगों की याद दिलाती हैं। इस संदर्भ में उन्होंने भारत सरकार से बांग्लादेश के दो हिस्से किए जाने और हिंदुओं के लिए अलग 'बंगलास्तान' बनाए जाने की मांग रखी है। उन्होंने बलूचिस्तान के लोगों के समर्थन की बात भी कही।

आरएसएस में मातृभूमि की सेवा भाव सिखाया जाता

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सराहना पर प्रतिक्रिया देते हुए शाजिया इल्मी ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि संघ ऐसा संगठन है, जहां मातृभूमि की सेवा का भाव सिखाया जाता है और यदि इसकी कार्यप्रणाली को समझा जा रहा है, तो यह सकारात्मक संकेत है।

कालभैरव मंदिर में प्रोटोकॉल व्यवस्था बंद, भारी भीड़ के कारण निर्णय

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्री कालभैरव मंदिर में दिसंबर के अंतिम सप्ताह में दर्शनार्थियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। भीड़ के दबाव को देखते हुए प्रशासन ने मंदिर में प्रोटोकॉल व्यवस्था को बंद कर दिया है। इस निर्णय के कारण सामान्य दर्शनार्थियों को अब दो घंटे के अंतराल में दर्शन हो पा रहे हैं। यह भीड़ 25 दिसंबर से ही बनी हुई है, खासकर अवकाश वाले दिनों और शनिवार-रविवार को श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। देशभर से आने वाले श्रद्धालु पहले महाकाल मंदिर के दर्शन करते हैं और फिर शहर से लगभग आठ किलोमीटर दूर स्थित श्री कालभैरव मंदिर पहुंचते हैं।

मंदिर के सामने के मैदान में बैरिकेडिंग बढ़ाई- मंदिर की व्यवस्था में लगे राजस्व विभाग के आरआई सुनील बौरासी ने जानकारी दी कि भीड़ प्रबंधन के लिए मंदिर के सामने के मैदान में बैरिकेडिंग बढ़ा दी गई है। पहले दर्शनार्थी सात लेयर की बैरिकेडिंग से होकर मुख्य गेट तक पहुंचते थे, लेकिन अब बैरिकेडिंग मंदिर से दूर पार्किंग के पास से शुरू की गई है।

दर्शनार्थियों के लिए पीने के पानी और शौचालय की व्यवस्था के साथ ही मंदिर प्रांगण

में एक मेडिकल टीम भी तैनात की गई है। रविवार को मंदिर मार्ग पर शिप्रा पुल पर जाम की स्थिति भी बनी रही, जिसके कारण लोक परिवहन के वाहनों ने बाहरी दर्शनार्थियों को केंद्रीय भैरवगढ़ जेल से पहले ही छोड़ दिया। जिला प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कालभैरव मंदिर में राजस्व अधिकारियों को शिफ्ट के अनुसार तैनात किया है। इसके अतिरिक्त, थाने और पुलिस लाइन से पुलिस बल बढ़ाया गया है, जिसमें लगभग 50 पुलिसकर्मी शामिल हैं। निजी कंपनी के 30 सुरक्षा कर्मचारी भी मंदिर की व्यवस्था में लगाए गए हैं।

महाकाल मंदिर में भक्तों की कार से चोरी, पार्किंग में खड़ी गाड़ी का शीशा तोड़कर बैग और मोबाइल ले गए बदमाश

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● महाकाल मंदिर दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को बदमाश निशाना बना रहे हैं। हैरत की बात यह है कि स्मार्ट पार्किंग में खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़कर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है, जबकि पार्किंग स्टाफ सिर्फ वसूली में लगा है। ऐसा ही एक मामला महाराष्ट्र के चंद्रपुर निवासी दीपक पांडे के साथ हुआ। वे अपने परिवार के साथ रविवार को महाकाल दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचे थे। उन्होंने अपनी क्रेटा कार (रू।34-ष्टछ 9586) को महाकाल थाने के पास बनी स्मार्ट पार्किंग में खड़ा किया था। महाकाल मंदिर में दर्शन करने के बाद पांडे परिवार जब कार लेने पहुंचा, तो उन्हें कार का शीशा टूटा हुआ मिला। कार में रखा उनका बैग भी गायब था। दीपक पांडे ने बताया कि बैग में 15 हजार रुपए नकद, लॉकर की चाबी और करीब एक लाख रुपए का मोबाइल फोन था, जो चोरी हो गया। मामले की जानकारी महाकाल थाने को दी गई। पुलिस ने टीम बनाकर सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें चार-पांच बदमाश किसी तरल पदार्थ का इस्तेमाल कर कार का शीशा तोड़ते हुए दिखाई दिए। हैरानी की बात यह भी है कि शीशा टूटने पर गाड़ी का सायरन भी बजा, लेकिन पार्किंग का ठेकेदार गाड़ी को देखने तक नहीं पहुंचा।

यादगार रहा इंदौर 2025 का 'सफर' 'दैनिक इंदौर संकेत' के पन्नों पर

एमपीपीएससी में विदिशा की पिंकेश लता रघुवंशी नई सदस्य नियुक्त

अब संख्या चार हुई, 1 पद अभी भी रिक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग में आखिरकार लंबे समय बाद एक पद पर नियुक्ति हो गई है। विदिशा की डॉ. पिंकेश लता रघुवंशी को आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया है। अब उनकी नियुक्ति के बाद चेयरमैन सहित कुल चार सदस्य हो गए हैं। अभी भी आयोग में एक पद रिक्त है।

संघ से जुड़ी हुई हैं पिंकेश–सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। डॉ. रघुवंशी संघ से लंबे समय से जुड़ी हुई हैं। उनके द्वारा विदिशा में संघ से जुड़े कई काम किए गए हैं।

संघ के कार्यशालाओं और विविध आयोजनों को कराने में भी उनकी भूमिका रही है। वह विदिशा में संघ की राष्ट्र सेविका समिति की नगर विभाग कार्यवाहिका रही है।

अब पीएससी में यह सदस्य–पीएससी में अभी चेयरमैन पद पर डॉ. राजेश लाल मेहरा है। उनकी नियुक्ति दिसंबर 2021 में हुई थी। वहीं सदस्य के तौर पर डॉ. कृष्णकांत शर्मा है इनकी नियुक्ति भी दिसंबर 2021 में हुई थी। वहीं मार्च 2024 में प्रोफेसर नरेंद्र कुमार कोष्ठी की नियुक्ति की गई थी।

नियुक्ति से इंटरव्यू में आएगी तेजी–इस नियुक्ति से पीएससी के कामों में तेजी आएगी। नियमानुसार इंटरव्यू बोर्ड में एक सदस्य का होना अनिवार्य होता है। अभी केवल तीन सदस्य होने से बोर्ड तीन ही बन पाते थे। लेकिन अब रघुवंशी की नियुक्ति से कुल चार बोर्ड बन सकेंगे। हालांकि अभी भी एक पद रिक्त है और इस पर भी नियुक्ति का इंतजार है।

कार में 1.18 करोड़ की संदिग्ध नगदी पुलिस चेकिंग में तीन युवक पकड़े

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान तीन युवकों को पकड़ा है। इनके कार की डिक्की में 1 करोड़ 18 लाख रुपए नकद मिले है। शुरुआती जांच में यह राशि एक प्लायवुड कारोबारी की बताई जा रही है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आयकर विभाग को सूचित किया है। अब आयकर विभाग वैधानिक कार्रवाई शुरू कर चुका है।

पेट्रोलिंग के दौरान मिली संदिग्ध कार–29 दिसंबर 2025 को कनाड़िया क्षेत्र में एफआरवी पेट्रोलिंग कर रही थी। इस दौरान, एफआरवी में तैनात आरक्षक दुर्गेश दांगी और रामचरण दांगी ने होटल प्रेसिडेंट के पास एक टाटा नेक्सॉन

ईवी कार देखी। कार संदिग्ध हालत में खड़ी थी। इसके बाद, दोनों ने कार की जांच शुरू की।

डिक्की से निकली 1.18 करोड़ की नगदी

संदेह के चलते वाहन की डिक्की खोली गई। उसमें भारी नकदी पाई गई। युवकों से पूछताछ की गई, तो उन्होंने बताया कि बैग में 1 करोड़ 18 लाख रुपये हैं। हालांकि, वे रकम के स्रोत और उद्देश्य के बारे में कुछ नहीं बता सके। इसके साथ ही, वैध दस्तावेज भी नहीं दिखा पाए।

वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे

मामले की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। इसके बाद संदिग्धों को वाहन सहित थाना कनाड़िया लाया गया। यहां विस्तृत पूछताछ की गई।

दो कंपनियों के नाम आए सामने–थाने में पूछताछ के दौरान युवकों ने बताया कि यह नगदी Safelex International Ltd और Mantram Techno Feb Pvt Ltd से संबंधित है। हालांकि, इतनी बड़ी नगदी के परिवहन को लेकर कोई वैध कागजात या आधिकारिक रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया गया है।

एक्शन... किशोर वाधवानी, धर्मेंद्र भदौरिया, कैलाश गर्ग, गोलू अग्निहोत्री, एलएनसीटी चौकसे ग्रुप जैसे कई बड़े नाम शामिल

ईडी-ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त की इस साल शहर के भ्रष्टाचारियों पर सबसे बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर ईडी, ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त ने साल 2025 में भ्रष्टाचारियों का जीना मुहाल कर दिया है। एक के बाद एक इतनी सर्जिकल स्ट्राइक हुई कि कई नामी रसूखदार इसमें घिर गए हैं। इनमें किशोर वाधवानी, धर्मेंद्र भदौरिया, कैलाश गर्ग, गोलू अग्निहोत्री, एलएनसीटी चौकसे ग्रुप जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं। कोई रसूखदार एक एजेंसी से बचा तो दूसरी में फंस गया है। यानी तीनों एजेंसियों ने मिलकर भ्रष्टाचारियों को चारों ओर से घेरकर कार्रवाई की। इंदौर लोकायुक्त ने भी 47 अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। वहीं पद के दुरुपयोग और अनुपातहीन संपत्ति के मामलों में भी छापे मारकर कुल 55 कार्रवाई की गई है। यानी औसतन हर सप्ताह एक भ्रष्टाचारी पकड़ा गया।

इंदौर ईडी की बड़ी कार्रवाई–इंदौर ईडी ने इस साल शहर के कई बड़े रसूखदारों को रडार पर लिया है। गुटखा किंग किशोर वाधवानी व अन्य के खिलाफ अखबारों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग केस में चालान पेश किया है। कांग्रेस नेता विशाल उर्फ गोलू अग्निहोत्री और अन्य ने डिब्बा कारोबार और ऑनलाइन सट्टेबाजी से 404 करोड़ की अवैध कमाई की। इसका खुलासा कर चालान पेश किया गया है।

इंदौर ईओडब्ल्यू ने इस साल रिकॉर्डतोड़ कार्रवाई की। साल

2024 में जहां केवल चार एफआईआर दर्ज हुई थीं। वहीं 2025 में ईओडब्ल्यू ने 20 एफआईआर दर्ज कीं। तीन छापे मारे गए, चार लोगों को रिश्वत लेते ट्रैप किया गया। साथ ही, आठ मामलों में चालान पेश किए गए है। ईओडब्ल्यू ने धार के प्रबंधक सेवा सहकारी संस्था के नंदकिशोर सोलंकी के यहां छापा मारा था। इस छापे में करीब चार करोड़ की संपत्ति पकड़ी गई थी।

इसके अलावा कॉलोनी धोखाधड़ी, बैंक लोन घोटाले और अन्य मामलों में एफआईआर दर्ज की गई। इनमें तत्कालीन संयुक्त संचालक टीएंडसीपी विजय सांवलकर और मालवा ट्रेडर्स का नाम शामिल है। इसके अलावा, ऋतुराज सिंह, मोहित गुप्ता (कार्यालय सहायक, मप्र ग्रामीण बैंक) और संतोष सिंह (डीएचएल इन्फ्राबिल्ड्स संचालक) का भी नाम है।संजीव जायसवाल, अनिरुद्ध देव, मुर्तजा मालिक (कबीर रियलिटी), मेसर्स केशव प्रोटींस और मेसर्स लाभांशी ट्रेडर्स के संचालक भी इसमें शामिल हैं। साथ ही, डाक-तार गृह निर्माण सोसायटी के तत्कालीन पदाधिकारी और साजिद शेख, राशिद शेख व जावेद शेख का भी नाम है।

इंदौर लोकायुक्त ने 47 भ्रष्टाचारी पकड़े–इंदौर लोकायुक्त भी कार्रवाई में पीछे नहीं रहा है। इस साल रिश्वत मांगने वाले पूरे 47 लोगों को रंगे हाथों पकड़ा गया है। रिश्वत की राशि 1250 रुपए से लेकर एक लाख रुपए तक रही है। सबसे ज्यादा भ्रष्ट अधिकारी-कर्मचारी धार, झाबुआ और अलीराजपुर जिलों में सामने आए है। सबसे बड़ा मामला रिटायर्ड जिला आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र भदौरिया का रहा है। इनके घर और लॉकर से करीब 10 किलो सोना मिला था। उनकी कुल संपत्ति करीब 30 करोड़ रुपए आंकी गई है। लोकायुक्त ने एक साल में 47 कर्मचारियों को रिश्वत लेते पकड़ा था। रिश्वत के साथ पद के दुरुपयोग के मामलों को जोड़ें तो कुल केस 55 तक पहुंच गए है। यानी औसतन हर सप्ताह एक भ्रष्टाचारी पकड़ा गया है। संपत्ति राजसात के मामलों में कोर्ट में केस लगाए गए। इनमें सात लोगों की 12.14 करोड़ रुपए की संपत्ति राजसात की गई थी। इसमें सबसे ज्यादा आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त जगदीश राठी और उनके परिजनों की तीन करोड़ की संपत्ति है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।